# शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय

राजनांदगांव(छ.ग.)

विभागीय प्रतिवेदन

2017—2018

संस्कृत विभाग

विभागाध्यक्ष

डॉ.दिव्या देशपांडे

प्राचार्य

डॉ.आर.एन.सिंह

# संस्कृत विभाग

## वर्ष 2017–18

1. विभाग का परिचयः–
   - स्थापना वर्ष –स्नातक– 1957
     स्नातकोत्तर– 2003
   - स्वीकृत पद – प्राध्यापक– 01
     सहा. प्राध्यापक– 02
   - संचालित पाठ्यक्रम–स्नातक एवं स्नातकोत्तर
   - विभिन्न कक्षाओं में छात्र संख्या (सत्र 2017–18)
     स्नातक प्रथम वर्ष– 02
     स्नातक द्वितीय वर्ष– 10
     स्नातक अंतिम वर्ष– 10
     स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष– 21
     स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष– 17

2. विभाग में कार्यरत प्राध्यापकः–
   - सहायक प्राध्यापक – 02
     (1) डॉ. दिव्या देशपाण्डे
     (2) डॉ. ललित प्रधान आर्य
   - अतिथि व्याख्याता – 01
     (1) डॉ. महेन्द्र नगपुरे

3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परिषद् (2017–18)
   1) अध्यक्ष– कु. चन्द्रकली ( स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)
   2) उपाध्यक्ष– श्री महेश साहू ( स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष )
   3) सचिव– कु. मनीषा वर्मा ( स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष )
   4) सहसचिव– कु. हिरमत ( स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष )

## संस्कृत सम्भाषण शिविर

## दिनांक 16.08.2017 से 01.09.2017

दिनांक 16.08.2017 से 01.09.2017 तक संस्कृत विभाग में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 16.08.2017 को प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन के अवसर पर सम्भाषण प्रशिक्षक श्री वंशीधर द्विवेदी, श्री राकेश वर्मा, प्रभारी संस्कृत विभाग, डॉ. शंकरमुनि राय तथा अतिथि व्याख्याता डॉ. महेन्द्र नगपुरे उपस्थित थे।

उद्घाटन के पश्चात् निरंतर 15 दिवस संस्कृत सम्भाषण का प्रशिक्षण प्रतिदिन दोपहर 02 बजे से शाम 5.30 बजे तक दिया गया, जिससे न केवल विद्यार्थियों के भाषा कौशल का वर्धन हुआ अपितु उनके संस्कृत शब्द भंडार, आत्मविश्वास, उच्चारण क्षमता का भी विकास हुआ।

दिनांक 28.09.2017 को इस सम्भाषण शिविर का समापन समारोह विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा दूरवाणी सम्भाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। संस्कृत सम्भाषण शिविर से लगभग 40 विद्यार्थी लाभान्वित हुये। इस शिविर में सहभागी हुये विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

## संस्कृत साहित्य परिषद् का उद्घाटन

### दिनांक 28.09.2017

दिनांक 28.09.2017 को प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति में संस्कृत साहित्य परिषद् का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राचार्य जी के मार्गदर्शन में प्रावीण्यता के आधार पर संस्कृत साहित्य परिषद् का गठन निम्नानुसार हुआः–

अध्यक्ष– कुमारी चन्द्रकली ( स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

उपाध्यक्ष– श्री महेश साहू ( स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष)

सचिव– कुमारी मनीषा वर्मा ( स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

सहसचिव– कुमारी हिरमत ( स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष)

कार्यकारी सदस्य– कु. यमुना, कु. टामिन, कु. अनिशा, कु. खेमेश्वरी, कु. किरण, कु. रबिका, कु. हीना, कु. खिलेश्वरी, श्री जन्मेजय, श्री ऋषि शास्त्री, श्री विकास कुमार, श्री तोमन

## वाल्मिकी जयन्ती

### दिनांक 05.10.2017

दिनांक 05.10.2017 को संस्कृत विभाग में वाल्मिकी जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री प्रमोद पंडित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्री प्रमोद पंडित ने अपने उद्_बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतः भाषाओं के शुद्धोच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होनें कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प ले कि संस्कृत के प्रचार–प्रसार हेतु सतत् प्रयत्नशील रहेगें। प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी ने कहा कि संस्कृत की व्यवहारिक एवं व्यवसायिक उपयोगिता बढ़ाने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। संपूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

## विशेष व्याख्यान

### दिनांक 12.10.2017

दिनांक 12.10.2017 को संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. सत्येन्दु शर्माजी ने 'भामहकृत काव्यालंकार – प्रथम परिच्छेदः'विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। सर्वप्रथम डॉ. शर्मा ने आचार्य भामह के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रंथ काव्यालंकार का परिचय दिया। तत्पश्चात् आचार्य भामह के द्वारा प्रतिपादित काव्यलक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य स्वरूप, काव्य भेद, महाकाव्य लक्षण, काव्य दोष आदि बिन्दुओं पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया। संपूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ।

## विस्तार कार्यक्रम

### दिनांक 26.10.2017

संस्कृत विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जाकर संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा आयोजित संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला के अंतिम दिवस दिनांक 26.10.2017 को शासकीय संस्कृत शिक्षकों को संस्कृत सम्भाषण का अभ्यास करवाया गया। साथ ही संस्कृत ग्राम की अवधारणा एवं उसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला में उपस्थित शासकीय संस्कृत शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के पश्चात् संस्कृत जनभाषा केन्द्र चलाये जायेगें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्रों द्वारा शिक्षकों को संस्कृत भाषा में स्वयं का परिचय देने का अभ्यास करवाया गया। तत्पश्चात् दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं यथा–कार्यालयीन उपयोगी वस्तुओं, अनाज, सब्जी, फल, मसालें, सौंदर्य प्रसाधन, भोजन निर्माण हेतु बर्तन, कक्ष की विभिन्न वस्तुओं इत्यादि के संस्कृत नामों से शिक्षकों को परिचित करवाया गया। इस हेतु विधिवत् वस्तुओं के संस्कृत नामों से संबंधित कार्डस् तैयार किये गये। संस्कृत ग्राम की अवधारणा से संबंधित कुछ पत्रक भी विभाग द्वारा तैयार कर शिक्षकों के मध्य वितरित किये गये। सभी प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों ने इस विस्तार कार्यक्रम में आनंदपूर्वक भाग लेकर

इसे उपयोगी बताया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य के कुशल नेतृत्व मे संपन्न हुआ।

## कालीदास जयंती

### दिनांक 02.11.2017

दिनांक 02.11.2017 को संस्कृत विभाग में कालीदास जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालीदास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य ने कालीदास एवं उनके ग्रंथों के विषय में विद्यार्थियों को विशेष व्याख्यान दिया। डॉ. ललित प्रधान आर्य ने कालीदास के जीवनवृत्त एवं उनकी कृतियों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि कालीदास की कृतियॉ कालजयी है। डॉ. दिव्या देशपाण्डे ने कालीदास के ग्रंथों के भावपक्ष एवं उनके मानवीय मूल्यों के चिंतन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आयोजित कालीदास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एम.ए. उत्तरार्द्ध की छात्रा कु. यमुना यादव, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से एम.ए. उत्तरार्द्ध के छात्र रूपेश साहू एवं एम.ए. पूर्वार्द्ध की कु. रबिका एवं तृतीय स्थान पर एम.ए. उत्तरार्द्ध की अनिशा कौर रही।

## पालक सम्मेलन

### दिनांक 06.11.2017

दिनांक 06.11.2017 को संस्कृत विभाग में डॉ. आर.एन.सिंह जी के विशेष उपस्थिति में पालक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र–छात्राओं के पालक विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी ने सम्मेलन में उपस्थित सभी पालकों से उनके पाल्यों की शैक्षणिक प्रगति, विभाग में अध्ययन का स्तर, महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध सुविधाओं, उनके पाल्यों की विभिन्न समस्याओं आदि विषयों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। पालकों द्वारा विभाग में अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में संतुष्टि प्रकट की गई है तथा महाविद्यालय एवं विभाग की उन्नति हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रदान किये गये। पालकों द्वारा फीडबैक प्रपत्र भरकर फीडबैक प्रदान किया गया।

## विशेष व्याख्यान

### दिनांक 18.01.2018

दिनांक 18.01.2018 को संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत साहित्य के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा जी ने काव्यमीमांसा विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। सर्वप्रथम डॉ. राघवेन्द्र शर्मा जी ने आचार्य राजशेखर के विषय में जानकारी देते हुये उनके ग्रंथ काव्यमीमांसा का परिचय दिया। तत्पश्चात् काव्यमीमांसा ग्रंथ के प्रथम आठ अध्यायों पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ।

## बसंत पंचमी

## दिनांक 22.01.2018

दिनांक 22.01.2018 को संस्कृत विभाग में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी भी उपस्थित थे। पुरोहित के रूप में उपस्थित हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय ने संस्कृत मंत्रोच्चारणों के माध्यम से सरस्वती पूजन का कार्य संपादित करवाया। इस अवसर पर स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों एवं विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों ने सरस्वती पूजन कर माँ सरस्वती से सद्बुद्धि प्राप्त करने का आर्शिवाद मांगा। इस अवसर पर हवन कार्य भी संपादित किया गया।

## शोध प्रविधि कार्यशाला

## दिनांक 24.01.2018 से 25.01.2018

दिनांक 24.01.2018 एवं 25.01.2018 को संस्कृत विभाग में विद्यार्थियों को शोध की ओर प्रेरित करने हेतु शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में संस्कृत विभाग के साथ हिन्दी एवं पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों में भी सहभागिता की। इस कार्यशाला में स्रोत पुरूष ;त्मेवनतबम च्मतेवद) के रूप में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनि राय उपस्थित हुए। उन्होनें विद्यार्थियों को पी.एच.डी. प्रक्रिया एवं शोध पत्र से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंतिम दिवस विद्यार्थियों फीडबैक प्रपत्र भरकर फीडबैक प्रदान किया। कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

## शैक्षणिक भ्रमण– डोंगरगढ़ जिला– राजनांदगांव

## दिनांक 28.02.2018

दिनांक 28.02.2018 को प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह जी के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के लगभग 17 विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण हेतु विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य के साथ डोंगरगढ़ हेतु प्रातः 9.00 बजे प्रस्थान किया गया। प्रस्थान से पूर्व महाविद्यालय परिसर स्थित देवालयों में जाकर पूजार्चन किया गया एवं इस प्रकार मंगलारम्भे की परम्परा का निर्वहन करते हुए लगभग 11.00 बजे डोंगरगढ़ के माँ बम्लेश्वरी मंदिर परिसर में पदार्पण किया।

माँ बम्लेश्वरी मंदिर पहुँचकर विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सर्वप्रथम देवी के समक्ष पूजार्चन, वेद पाठ तथा दुर्गा स्तुति का पाठ किया गया। पूजार्चन के पश्चात् विद्यार्थियों ने मंदिर के इतिहास, निर्माण, शिल्प एवं स्थापत्य कला की जानकारी मंदिर के पुरोहितों के द्वारा प्राप्त की। मंदिर परिसर में ही सभी ने मंत्र पाठ के साथ सामूहिक भोजन किया। पुनः नीचे आकर छोटी बम्लेश्वरी माता के दर्शन कर शाम लगभग 5.00 बजे वापसी हेतु मधुर स्मृतियों के साथ प्रस्थान किया।

## अन्य गतिविधियाँ

1. अंतर्विषयक व्याख्यानः– संस्कृत विभाग में समय–समय पर अंतर्विषयक व्याख्यान आयोजित किये गये हैं जिसमें अन्य विभाग के सहायक प्राध्यापकों ने विभाग में आकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस तारतम्य में दिनांक 10.01.2018 को हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामाशीष तिवारी जी ने 'भाषा विज्ञान' विषय पर, दिनांक 16.01.

2018 राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री संजय सप्तर्षि जी ने 'मनु के राजनीतिक विचार' विषय पर तथा दिनांक 30.01.2018 को इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर जी ने 'छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक स्थल' विषय पर व्याख्यान दिया।

2. स्वच्छता कार्य एवं स्वच्छता सर्वेक्षणः– संस्कृत विभाग में प्रत्येक सोमवार को विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा विभाग एवं विभाग के सामने के परिसर की स्वच्छता का कार्य संपादित किया जाता है। इस वर्ष दिनांक 27.01.2018 एवं 28.01.2018 को डॉ. ललित प्रधान आर्य के कुशल मार्गदर्शन में विभाग के विद्यार्थियों ने राजनांदगांव के स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु वार्ड क्रमांक 25 सूर्यमुखी देवी वार्ड एवं वार्ड क्रमांक 26 सुभाष वार्ड में जाकर लोगों को जागरूक किया।
3. आधुनिक संचार साधनों का प्रयोग करते हुए अध्यापनः– संस्कृत विभाग में अध्यापन हेतु आधुनिक संचार साधनों का भी प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को कक्षा में अध्ययनोपयोगी एन्ड्राईड मोबाईल एप्स की जानकारी दी गई। इंटरनेट के माध्यम से संस्कृत वार्तावली इत्यादि कार्यक्रमों, संस्कृत लघु फिल्मों का प्रदर्शन विद्यार्थियों के समक्ष समय–समय पर किया गया। यू–ट्यूब पर उपलब्ध नेट (छम्ज) तथा सेट (ैम्ज) से संबंधित प्रामाणिक व्याख्यान विडियो की भी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।
4. जनपद संस्कृत सम्मेलन में सहभागिताः– दिनांक 11.02.2018 को ष्संस्कृत भारतीष द्वारा आयोजित राजनांदगांव जनपद (जिला) सम्मेलन में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की एवं मंचीय कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये।

संस्कृत संभाषण शिविर समापन एवं संस्कृत साहित्य परिषद् का गठन

वाल्मीकि जयन्ती का कार्यक्रम

विशेष व्याख्यान -डॉ सत्येन्दु शर्मा

विस्तार कार्यक्रम

कालिदास जयन्ती

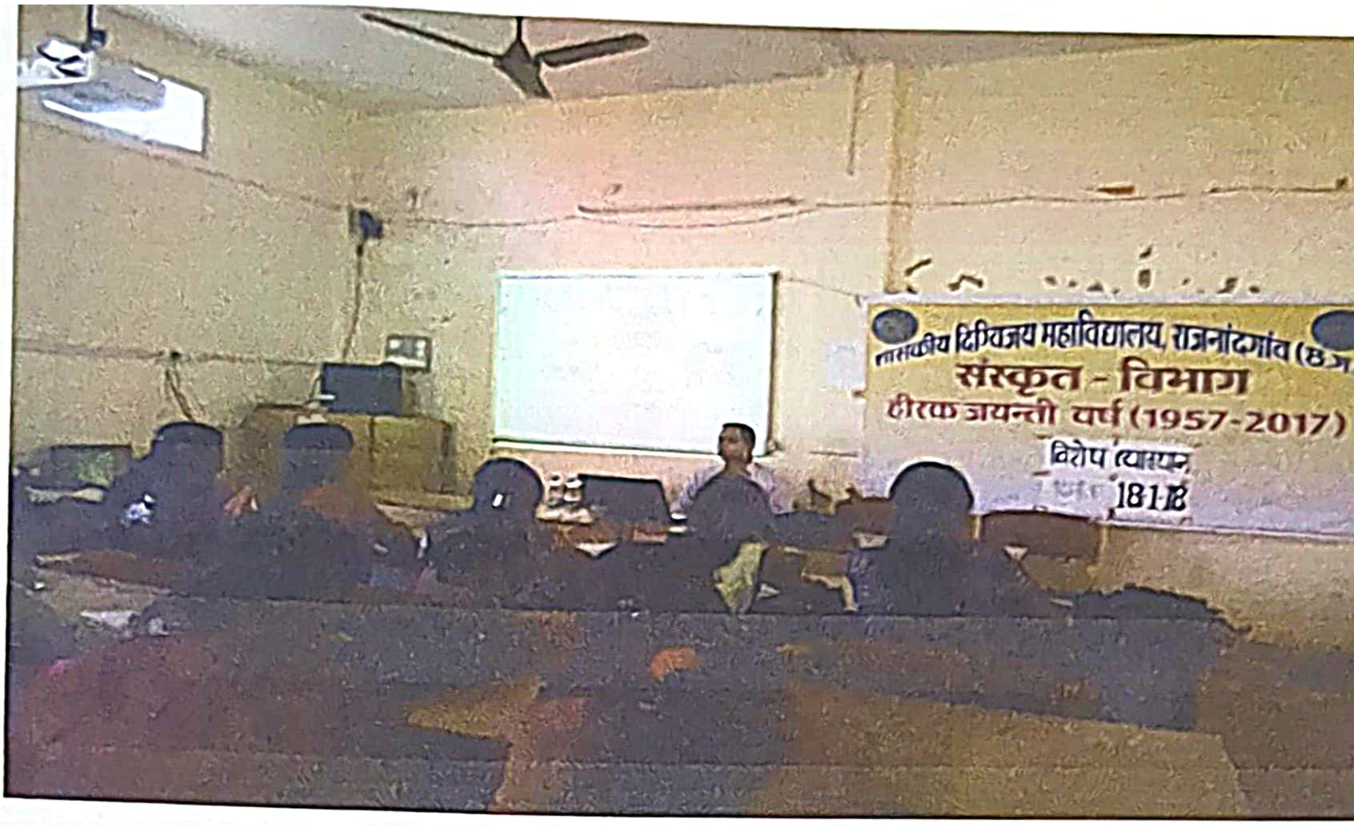
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
संस्कृत - विभाग
हीरक जयन्ती वर्ष (1957-2017)
18.1.18

विशेष व्याख्यान

स्नातकोत्तर महाविद्यालय
(छ.ग.)
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय,
संस्कृत -

शोध प्रविधि कार्यशाला

शैक्षणिक भ्रमण

अंतर्विषयक व्याख्यान

अंतर्विषयक व्याख्यान

जन्मदिवस तिलककरण तथा वैदिक मंत्रोच्चारण

स्वच्छता सर्वेक्षण

स्वच्छता कार्य

आधुनिक संचार साधनो का प्रयोग

2017-18

## वाल्मीकि जयंती मनाई गई

पत्रिका 9 अक्टूबर 2017

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. 5 अक्टूबर को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकी जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद पंडित थे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आरएन सिंह ने की। वैदिक मन्त्रोच्चारण के हुआ। पण्डित ने कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है।

## दिग्विजय कालेज में वाल्मीकी जयंती का आयोजन

नवभारत 9/10/17

राजनांदगांव. दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकी जयंती का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मन्त्री श्री प्रमोद पण्डित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह ने की. कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मन्त्रोगारण के साथ हुआ. मुख्य अतिथि प्रमोद पण्डित ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है. अतः भाषाओं के शुद्ध उगारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है. उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प लें कि संस्कृत के प्रचार प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगें. प्राचार्य आर.एन.सिंह ने कहा कि संस्कृत की व्यावहारिक एवं व्यावसायिक उपयोगिता बढाने का प्रयत्न किया जाना चाहिये.

## संस्कृत विभाग में वाल्मीकि जयंती का हुआ आयोजन

क्रांतिकारी संकेत 8/10/17

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकी जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद पण्डित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आरएन सिंह ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रमोद पण्डित ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतः भाषाओं के शुद्ध उच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर यह संकल्प लें कि संस्कृत के प्रचार प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगें। प्राचार्य

डॉ आरएन सिंह ने कहा कि संस्कृत की व्यावहारिक एवं व्यावसायिक, उपयोगिता बढाने का प्रयत्न किया जाना चाहिये।

इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय, संस्कृत भारती के विभाग संगठन मंत्री हेमंत साहू, सामाजिक कार्यकर्ता अटल प्रताप विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. महेंद्र नगपुरे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## दिग्विजय में 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का उदघाटन मुख्य अतिथि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डा. श्रीमती सुमनसिंह बघेल ने बुधवार को किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. आरएन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. चंद्रिका नाथवानी सहित संस्कृत भारती के प्रशिक्षक बंशीधर द्विवेदी और राकेश वर्मा उपस्थित थे।

विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय और सहयोगी प्राध्यापक डा. महेन्द्र नगपुरे, राजूराम साहू और नरेन्द्र कुमार ने शिविर के उदेश्य पर प्रकाश डाले। मुख्य अतिथि डॉ. बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृत एक संस्कारी भाषा है। इसके अध्ययन से जीवन में पवित्रता और संस्कार का संचार होता है। प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए रोजगार की समस्या नहीं है।

## दिग्विजय में संस्कृत साहित्य परिषद् का गठन

नवभारत 9/10/17

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भारती के सहयोग से 16 अगस्त से 1 सितंबर तक संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया था. इस शिविर का समापन समारोह विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह की गरिमामय उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसी अवसर पर संस्कृत साहित्य परिषद् का भी गठन किया गया। संस्कृत साहित्य परिषद् के अध्यक्ष के रूप में कु. चंद्रकली, उपाध्यक्ष महेश साहू स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर, सचिव कु मनीषा वर्मा तथा सहसचिव के रूप में कु हिरमत स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर का मनोनयन प्रावीण्यता सूची के आधार पर किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्र'वलन एवं सरस्वती वदना के साथ हुआ.

इस अवसर पर विद्यार्थियो द्वारा दूरवाणी संभाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में विभाग के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक ललिता प्रधान आर्य का भी स्वागत किया गया. प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने संस्कृत साहित्य परिषद् के मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उनके कर्तव्यो से अवगत कराया. साथ ही संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग संभावनाओं पर प्रकाश डाला.

# शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकि जयंती का आयोजन

राजनांदगांव। दिनांक 05/10/2017 को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकी जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मन्त्री श्री प्रमोद पण्डित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्री प्रमोद पण्डित ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अत: भाषाओं के शुद्ध उच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होने कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प लें कि संस्कृत के प्रचार प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगें। प्राचार्य डॉ आर.एन.सिंह ने कहा कि संस्कृत की व्यावहारिक एवं व्यावसायिक उपयोगिता बढाने का प्रयत्न किया जाना चाहिये।

इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय, संस्कृत भारती के विभाग संगठन मंत्री श्री हेमंत साहू, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अटल प्रताप विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. महेंद्र नगपुरे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## शिक्षा... शुद्ध उच्चारण के लिए संस्कृत ज्ञान जरूरी

राजनांदगांव। दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग में वाल्मिकी जयंती मनाई है। जिसमें मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद पंडित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंडित ने कहा कि कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। भाषाओं के शुद्ध उच्चारण की दृष्टि

# दिग्विजय कॉलेज में संस्कृत पर संभाषण शिविर आयोजित

**संस्कृत विभाग के संयोजन में हुआ समारोह**

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में संस्कृत भारती के सहयोग से संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। समारोह का प्राचार्य डॉ.आरएन सिंह और विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के सथा हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा दूरवाणी संभाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में विभाग के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक ललित प्रधान आर्य का भी स्वागत किया। इसी अवसर पर संस्कृत साहित्य परिषद् का भी गठन किया गया। इसमें स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कु.चंदकली अध्यक्ष के रूप में चुनी गई। इसके अलावा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के महेश साहू उपाध्यक्ष, स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कु.मनीषा वर्मा सचिव तथा कु.हिरमत सहसचिव के रूप में मेरिट के आधार पर चुनी गई। प्राचार्य डॉ. सिंह ने संस्कृत साहित्य परिषद् के मनोनीत पदाधिरियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उनके कर्तव्यो से अवगत कराया। साथ ही संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग एवं रोजगार को संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में शिविर में सहभागी हुए विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये गए। कार्यक्रम का संमालन स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेंद्र साहू ने किया। आभार प्रदर्शन ललित प्रधान द्वारा किया गया। पूरा कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शंकर मुनि राय, संभाषण शिविर के प्रशिक्षक राकेश वर्मा, वंशीधर द्विवेदी तथा सूर्यवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

# कालेज में संस्कृत साहित्य परिषद् का गठन व संभाषण शिविर संपन्न

दावा 9/10/17

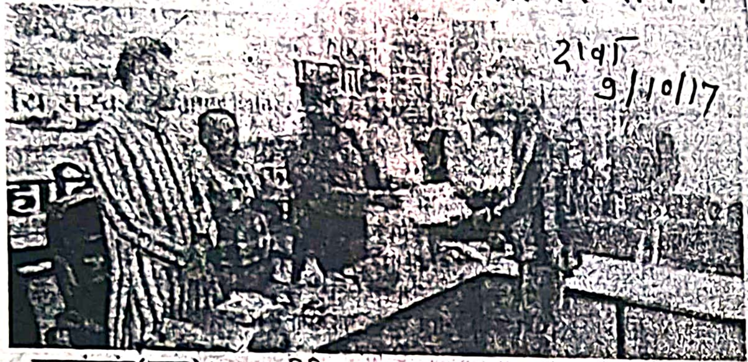

राजनांदगांव(दावा)। दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भारती के सहयोग से 16 अगस्त से 1 सितंबर तक संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का समापन समारोह 28 सितंबर को, विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह की गरिमामय उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसी अवसर पर संस्कृत साहित्य परिषद् का भी गठन किया गया। संस्कृत साहित्य परिषद् के अध्यक्ष के रूप में कु. चंद्रकली, उपाध्यक्ष महेश साहू स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर, सचिव कु. मनीषा वर्मा तथा सहसचिव के रूप में कु. हिरमत स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर का मनोनयन प्रावीण्यता सूची के आधार पर किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा दूरवाणी संभाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में विभाग के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक ललिता प्रधान आर्य का भी स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने संस्कृत साहित्य परिषद् के मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उनके कर्तव्यों से अवगत कराया। साथ ही संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग एवं रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में शिविर में सहभागी हुए विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेंद्र साहू ने किया। आभार प्रदर्शन ललित प्रधान आर्य द्वारा किया गया।

## संभाषण शिविर के दौरान चंद्रकली बनी संस्कृत साहित्य परिषद की अध्यक्ष

दैनिक भास्कर 10/10/17

राजनांदगांव। दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृत साहित्य परिषद का भी गठन किया गया। संस्कृत साहित्य परिषद के अध्यक्ष चंद्रकली, उपाध्यक्ष महेश साहू, सचिव मनीषा वर्मा व सहसचिव हिरमत का मनोनयन मेरिट सूची के आधार पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने दूरवाणी संभाषण, परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विभाग के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक ललिता प्रधान आर्य का भी सम्मान किया गया। प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने संस्कृत साहित्य परिषद के मनोनीत पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी।

## वाल्मीकि जयंती का आयोजन

- संस्कृत की व्यवहारिक उपयोगिता बढ़ाने पर दिया जोर

11.10.17

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

शासकीय दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग में गत 5 अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद पंडित व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पंडित ने कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतरू भाषाओं के शुद्ध उच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प लें कि संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगे। अध्यक्षता करते प्राचार्य डॉ. सिंह ने कहा कि संस्कृत की व्यवहारिक एवं व्यवसायिक उपयोगिता बढ़ाने का प्रयत्न किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. शंकरमुनि राय, हेमंत साहू, अटल प्रताप उपस्थित थे। कार्यक्रम, डॉ. दिव्या देशपांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. महेंद्र नगपुरे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## शासकीय कालेज में वाल्मीकि जयंती का आयोजन

अमनपथ 10/10/17

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद पंडित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रमोद पंडित ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतः भाषाओं के शुद्ध उच्चारण एवं ज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर यह संकल्प लें कि संस्कृत के प्रचार प्रसार हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगे। प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि संस्कृत की व्यवहारिक एवं व्यवसायिक उपयोगिता बढ़ाने का प्रयत्न किया जाना चाहिये। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय, संस्कृत भारती के विभाग संगठन मंत्री श्री हेमंत साहू, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अटल प्रताप विशेष रूप से उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक ललित प्रधान आर्य ने संस्कृत भाषा में किया। विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. महेंद्र नागपुरे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## विशेष व्याख्यान आयोजित

17/10/17

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सत्येन्दु शर्मा ने भामहकृत काव्यालंकान प्रथम परिच्छेद विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। संस्कृत साहित्य परिषद् की अध्यक्ष चंद्रकली ने डॉ. शर्मा का स्वागत किया। डॉ. शर्मा ने आचार्य भामह के विषय में जानकारी देते उनके ग्रंथ काव्यालंकार का परिचय दिया।

हरिभूमि (12)

# संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित

13/10/2017 क्रांतिकारी संकेत

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ.सत्येन्दु शर्मा ने 'भामहकृत काव्यालंकान - प्रथम परिच्छेदः' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। संस्कृत साहित्य परिषद् की अध्यक्ष कु.चंद्रकली ने डॉ. शर्मा का स्वागत किया। सर्वप्रथम डॉ शर्मा ने आचार्य भामह के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रन्थ काव्यालंकार का परिचय दिया। तत्पश्चात आचार्य भामह के द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य स्वरूप, काव्य भेद, महाकाव्य लक्षण, काव्य दोष आदि बिन्दुओं पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे ने किया।

सम्पूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## दिग्विजय में व्याख्यान

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर के सहायक प्रध्यापक डॉ. सत्येन्दु शर्मा ने 'भामहकृत काव्यालंकान-प्रथम परिच्छेदः' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ। संस्कृत साहित्य परिषद् की अध्यक्ष कु. चंद्रकली ने डॉ. शर्मा का स्वागत किया।

सुबह सवेरे 13/10/17

# दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग में हुआ विस्तार कार्यक्रम

31/10/2017 क्रांतिकारी संकेत

क्रांतिकारी संवाददाता

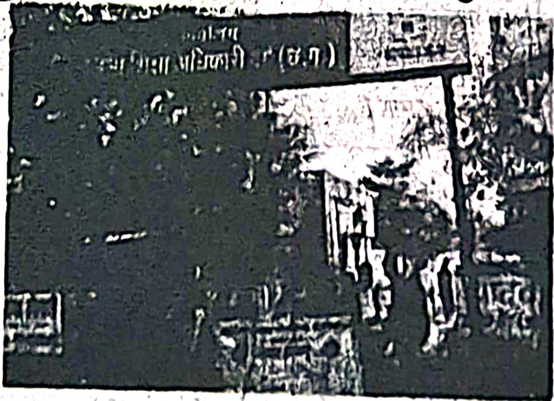

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जाकर संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा आयोजित संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला के अंतिम दिवस गुरूवार 26 अक्टूबर को शासकीय संस्कृत शिक्षकों को संस्कृत संभाषण का अभ्यास करवाया गया।साथ ही संस्कृत ग्राम की अवधारणा एवं उसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है की कार्यशाला में उपस्थित ... प्रशिक्षण के पश्चात संस्कृत जनभाषा केन्द्र चलाये जाएंगे।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्रों द्वारा शिक्षकों को संस्कृत भाषा में परिचय ... गया।ततपश्चात दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं यथा कार्यालय उपयोगी वस्तुएं अनाज,सब्जी, फल,मसाले, सौंदर्य प्रसाधन, भोजन निर्माण ... वस्तुओं इत्यादि के संस्कृत नामों से शिक्षकों को परिचित करवाया। इस हेतु विधिवत संस्कृत वस्तुओं के नामों से सम्बन्धित कार्ड्स् तैयार किये गए।

संस्कृत ग्राम की अवधारणा से संबंधित कुछ पत्रक भी विभाग द्वारा तैयार कर शिक्षकों के मध्य वितरित किये गए।सभी प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों ने इस विस्तार कार्यक्रम में आनंद पूर्वक भाग लेकर इसे उपयोगी बताया।यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे व सहायक प्राध्यापक डॉ.ललित प्रधान आर्य के कुशल नेतृत्व में ...

## संस्कृत विभाग द्वारा विस्तार कार्यक्रम आयोजित

नवभारत 31/10/17

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जाकर संस्कृत विद्यामंडल द्वारा आयोजित संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला के अंतिम दिवस 26 अक्टूबर को शासकीय संस्कृत शिक्षकों को संस्कृत संभाषण का अभ्यास करवाया गया. साथ ही संस्कृत ग्राम की अवधारणा एवं उसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई. कार्यशाला में उपस्थित शासकीय संस्कृत शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के पश्चात संस्कृत जनभाषा केन्द्र चलाये जाएंगे. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्रों द्वारा शिक्षकों को संस्कृत भाषा में परिचय देने का अभ्यास करवाया गया.

# संस्कृत विभाग द्वारा विस्तार कार्यक्रम का आयोजन

क्रांतिकारी संवाद 31/10/2017

## दिग्विजय कालेज के विद्यार्थियों को कराया संभाषण अभ्यास

क्रांतिकारी संवाद

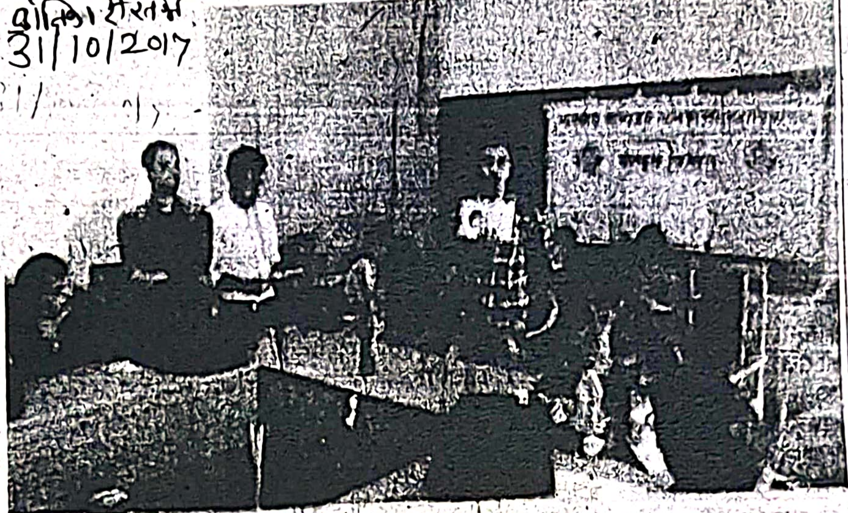

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जाकर संस्कृत विद्यामंडलम द्वारा आयोजित संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला के अंतिम दिवस शासकीय संस्कृत शिक्षकों को संस्कृत संभाषण का अभ्यास कराया गया। साथ ही संस्कृत ग्राम की अवधारणा एवं उसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला में उपस्थित शासकीय संस्कृत शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के पश्चात संस्कृत जनभाषा केन्द्र चलाये जाएंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्रों द्वारा शिक्षकों को संस्कृत भाषा में परिचय देने का अभ्यास कराया गया। ततपश्चात दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं यथा कार्यालय उपयोगी वस्तुएं, अनाज, सब्जी, फल, मसाले, सौंदर्य प्रसाधन, भोजन निर्माण हेतु बर्तन, कक्ष की विभिन्न वस्तुओं इत्यादि के संस्कृत नामों से शिक्षकों को परिचित करवाया। इस हेतु विधिवत संस्कृत वस्तुओं के नामों से सम्बन्धित कार्डस तैयार किये गए। संस्कृत ग्राम की अवधारणा से संबंधित कुछ पत्रक भी विभाग द्वारा तैयार कर शिक्षकों के मध्य वितरित किए गए। सभी प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों ने इस विस्तार कार्यक्रम में आनंद पूर्वक भाग लेकर इसे उपयोगी बताया। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डा.दिव्या देशपांडे एवं सहायक प्राध्यापक डा. ललित प्रधान आर्य के कुशल

# शिक्षकों को बताया संस्कृत संभाषण

2/11/2017

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

शासकीय दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग के संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा आयोजित संस्कृत संभाषण कार्यशाला के अंतिम दिन गत् 26 अक्टूबर को शासकीय संस्कृत शिक्षकों को संस्कृत संभाषण का अभ्यास कराया। साथ ही संस्कृत ग्राम की अवधारणा एवं उसके स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों द्वारा शिक्षकों को संस्कृत भाषा में परिचय देने का अभ्यास करवाया गया। तत्पश्चात दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं यथा कार्यालय उपयोगी वस्तुएं, अनाज, सब्जी, फल, मसाले, सौंदर्य प्रसाधन, भोजन निर्माण हेतु बर्तन, कक्ष की विभिन्न वस्तुओं इत्यादि के संस्कृत नामों से शिक्षकों को परिचित करवाया।

इसके लिए विधिवत संस्कृत वस्तुओं के नामों से संबंधित कार्डस तैयार किए गए। संस्कृत ग्राम की अवधारणा से संबंधित कुछ पत्रक भी विभाग द्वारा तैयार कर शिक्षकों के मध्य वितरित किए गए। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

## दिग्विजय कॉलेज में पालक सम्मेलन विद्यार्थियों को सुविधा देने पर हुई चर्चा

दैनिक भास्कर 8/11/2017

राजनांदगांव। दिग्विजय कॉलेज में मंगलवार को संस्कृत विभाग में पालक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ। इस दौरान ग्रेजुएशन और पीजी के छात्र-छात्राओं के पालक मौजूद थे। प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने सम्मेलन में मौजूद सभी पालकों से उनके बच्चों के शैक्षणिक प्रगति, विभाग में अध्ययन का स्तर, कॉलेज में छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं व अन्य विषयों पर चर्चा की गई। पालकों ने फीडबैक प्रपत्र के द्वारा अपना फीडबैक भी दिया। कार्यक्रम मे विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे मौजूद थे।

## खबर संक्षेप

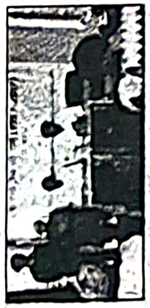

### पालक सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि 9/11/17

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में गत् 6 नवंबर को प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह की उपस्थिति में पालक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ। इस अवसर पर स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र-छात्राओं के पालक उपस्थित थे। प्राचार्य ने सम्मेलन में पालकों से उनके पाल्यों की शैक्षणिक प्रगति, विभाग में अध्ययन का स्तर, महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, उनके पाल्यों की विभिन्न समस्याओं आदि विषयों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। पालकों द्वारा विभाग में अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में संतुष्टि प्रकट की तथा महाविद्यालय एवं विभाग की उन्नति हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रदान किए गए। पालकों द्वारा फीडबेक प्रपत्र द्वारा अपना फीडबेक भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने आभार व्यक्त किया गया।

# संस्कृत विभाग में पालक सम्मेलन आयोजित

क्रांतिकारी 18/11/17

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में प्राचार्य डॉ.आरएन सिंह जी की विशेष उपस्थिति में पालक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ।

इस अवसर पर स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र-छात्राओं के पालक विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ आर एन सिंह जी ने सम्मेलन में उपस्थित सभी पालकों से उनके पाल्यों की शैक्षणिक प्रगती, विभाग में अध्ययन का स्तर, महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, उनके पाल्यों की विभिन्न समस्याओं आदि विषयों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। पालकों द्वारा विभाग में अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों के सम्बंध में संतुष्टि प्रकट की गई तथा महाविद्यालय एवं विभाग की उन्नति हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रदान किये गए।

पालकों द्वारा फीडबैक प्रपत्र के द्वारा अपना फीडबैक भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत मे विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे ने आभार व्यक्त किया गया।

# संस्कृत विभाग में कालिदास जयन्ती का आयोजन

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत विभाग में कालिदास जयंती के आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालिदास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे तथा सहायक प्राध्यापक डॉ.ललित प्रधान आर्य ने दीप प्रज्वलन किया। डॉ.ललित प्रधान आर्य ने कालिदास के जीवनवृत्त एवं उनकी कृतियों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया की कालिदास की कृतियाँ कालजयी है। उनका अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक विदेशी साहित्यकारों के मध्य भी प्रसिद्ध रहा। डॉ.दिव्या देशपांडे ने कालिदास के ग्रंथों के भावपक्ष एवं उनके मानवीय मूल्यों के चिंतन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार कालिदास भारतीय संस्कृति के पुरोधा कवि है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ शंकरमुनि राय विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने कालिदास के जीवन से संबंधित विभिन्न किंवदन्तियों पर चर्चा की। अंत में आभार प्रदर्शन विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ.महेंद्र नगपुरे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कालिदास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मर एमए उत्तराद्ध की छात्रा कु.यमुना यादव रही। द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से एमए उत्तराद्ध के छात्र रूपेश साहू एवं एमए पूर्वार्द्ध की रबिका ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर एमए उत्तराद्ध को अनिशा कौर रही।

# संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित

20/01/2018 क्रांतिकारी

## दिग्विजय कालेज का आयोजन

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने 'काव्यमीमांसा' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ।

तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। स्नातकोत्तर उत्तराद्ध के छात्र शत्रुघन ने डा.शर्मा का स्वागत किया। सर्वप्रथम डा.शर्मा ने आचार्य राजशेखर के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रन्थ काव्यमीमांसा का परिचय दिया। तत्पश्चात काव्यमीमांसा ग्रन्थ के प्रथम आठ अध्यायों पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डा.ललित प्रधान आर्य ने किया एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ।

# कालिदास भारतीय संस्कृति के पुरोधा कवि : देशपांडे

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

दिग्विजय कॉलेज के संस्कृति विभाग में कालिदास जयंती मनाई गई। जयंती के मौके पर कालिदास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डा. दिव्या देशपांडे व सहायक प्राध्यापक डा.ललित प्रधान आर्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। डा.आर्य ने कालिदास के जीवनवृत्त एवं उनकी कृतियों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया की कालिदास की कृतियाँ कालजयी है। उनका अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक विदेशी साहित्यकारों के मध्य भी प्रसिद्ध रहा। डा.दिव्या देशपांडे ने कालिदास के ग्रंथों के भावपक्ष एवं उनके मानवीय मूल्यों के चिंतन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार कालिदास भारतीय संस्कृति के पुरोधा कवि है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डा.शंकरमुनि राय विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कालिदास के जीवन से संबंधित विभिन्न किंवदन्तियों पर चर्चा की।

राजनांदगांव। वक्ताओं ने कालिदास के जीवनी पर भी प्रकाश डाला।

### यमुना रही अव्वल

प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान एमए की छात्रा यमुना यादव ने प्राप्त किया। द्वितीय रूपेश साहू, रबिका और तृतीय स्थान पर अनिशा कौर रही। सभी विजेता विद्यार्थियों को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया। आभार प्रदर्शन डा.महेन्द्र नगपुरे ने किया।

# दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में पालक सम्मेलन आयोजित

आयोजन

- कई विषयों पर की गई चर्चा
- फीडबैक भी प्रदान किया

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की विशेष उपस्थिति में पालक सम्मेलन आयोजित किया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोचारण से हुआ. इस अवसर पर स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र-छात्राओं के पालक विशेष रूप से उपस्थित रहे.

प्राचार्य डॉ आर एन सिंह ने सम्मेलन में उपस्थित सभी पालकों से उनके पाल्यों की शैक्षणिक प्रगति ,विभाग में अध्ययन का स्तर, महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, उनके पाल्यों की विभिन्न समस्याओं आदि विषयों पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की. पालकों द्वारा विभाग में अध्ययन एवं अन्य गतिविधियों के सम्बंध में संतुष्टि प्रकट की गई तथा महाविद्यालय एवं विभाग की उन्नति हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रदान किये गए. पालकों द्वारा फीडबैक प्रपत्र के द्वारा अपना फीडबैक भी प्रदान किया गया. कार्यक्रम के अंत मे विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे ने आभार व्यक्त किया गया.

---

खास खबर

## दिग्विजय कालेज के संस्कृत विभाग में व्याख्यान संपन्न

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने 'काव्यमीमांसा विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ।

तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। स्नातकोत्तर उत्तराद्ध के छात्र शत्रुघ्न ने डॉ शर्मा का स्वागत किया। सर्वप्रथम डॉ शर्मा ने आचार्य राजशेखर के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रन्थ काव्यमीमांसा का परिचय दिया। तत्पश्चात काव्यमीमांसा ग्रन्थ के कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ललित प्रधान आर्य ने किया एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने किया।

---

## दिग्विजय कालेज के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान संपन्न

राजनांदगांव(दावा)। 18 जनवरी को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने 'काव्यमीमांसा' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। स्नातकोत्तर उत्तराद्ध के छात्र शत्रुघ्न ने डॉ शर्मा का स्वागत किया। सर्वप्रथम डॉ शर्मा ने आचार्य राजशेखर के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रन्थ काव्यमीमांसा का परिचय दिया। तत्पश्चात काव्यमीमांसा ग्रन्थ के प्रथम आठ अध्यायों पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ।

01. 2018 निज सूत्र 21/1/18

---

## संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित

20 जनवरी 2018

## दिग्विजय कालेज का आयोजन

क्रांतिकारी संवाददाता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में पदस्थ संस्कृत के सहायक प्राध्यापक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने 'काव्यमीमांसा' विषय पर संस्कृत भाषा में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्तिवाचन तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ।

तत्पश्चात सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना की गई। स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध के छात्र शत्रुघ्न ने डॉ.शर्मा का स्वागत किया। सर्वप्रथम डॉ.शर्मा ने आचार्य राजशेखर के विषय में जानकारी देते हुए उनके ग्रन्थ काव्यमीमांसा का परिचय दिया। तत्पश्चात काव्यमीमांसा ग्रन्थ के प्रथम आठ अध्यायों पर सविस्तार प्रकाश डाला। उनका सारगर्भित व्याख्यान छात्रोपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.ललित प्रधान आर्य ने किया एवं आभार-प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम संस्कृत भाषा में ही संपन्न हुआ।

दैनिक भास्कर 9/02/18

भाषा को बढ़ावा | राज्य की एकमात्र लैब जहां संस्कृत को बढ़ावा देने की गई सराहनीय पहल

# संस्कृत की लैब: यहां गूंजती हैं सूक्तियां संग्रह में 2500 साल पुराने ग्रंथों के श्लोक

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

दिग्विजय कॉलेज का संस्कृत लैब...। यहां प्रवेश करते ही वेदों की सूक्तियां आपको सुनने मिलेगी। पुरुष सूक्ति के साथ ही ऋगवेद के दशम मंडल, शिव संकल्प, गीता पाठ इस लैब में गूंजते हैं। दीवारों पर टंगे फ्रेम मामूली नहीं हैं। इसमें 2500 साल पुराने ग्रंथों के श्लोक लिखे गए हैं। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत डिपार्टमेंट ने यह पहल की है। उन्होंने पोस्टर बेंगलुरु और दिल्ली से एकत्र किए जो पूरे राज्य के किसी कॉलेज में नहीं मिलेंगे। इन पोस्टरों में चौकाने वाली जानकारियां भी हैं, जो संस्कृत की ओर आकर्षित करती हैं।

दिग्विजय कॉलेज के इस लैब को बनाने का कंसेप्ट प्रोफेसर शंकर मुनि राय का है। कुछ साल पहले जब बेंगलुरु से आए अतिथियों ने प्रेजेंटेशन में पोस्टरों की स्लाइड चलाई तो उन्होंने ठान लिया कि ऐसा लैब हम राजनांदगांव में बनाएंगे। इसके बाद क्या था। वे जुट गए इसके कलेक्शन में। बेंगलुरु और दिल्ली के संस्कृत भारती से इसे बाकायदा खरीदा और यहां स्थापित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे 115 पोस्टर अब तक लगाए जा चुके हैं। जगह की कमी है अन्यथा अभी भी उतने ही पोस्टर और हैं जिन्हें लगाए जाने हैं और मंगवाए भी गए हैं।

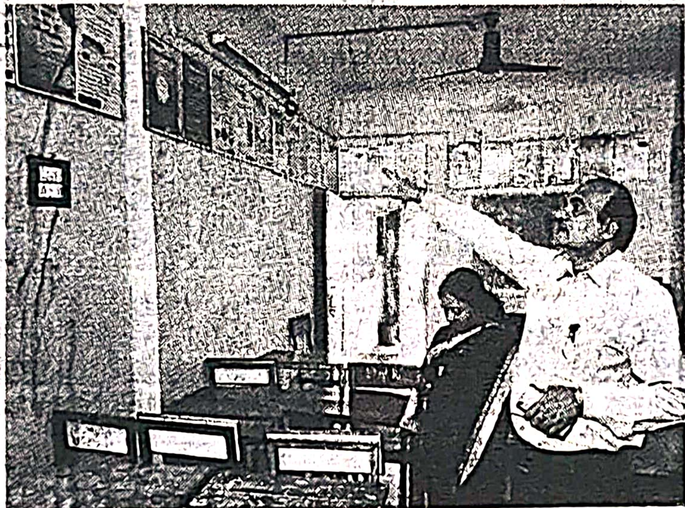

राजनांदगांव. दिग्विजय कॉलेज के संस्कृत लैब में वेदों की सूक्तियां लिखकर दीवारों पर टांगी गई है।

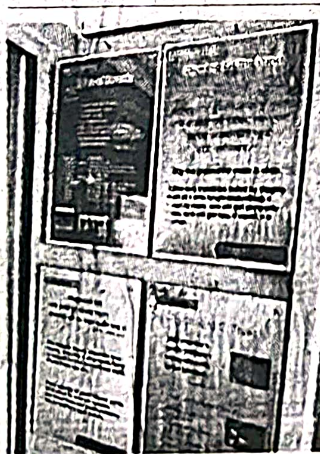

पोस्टर के माध्यम से संस्कृत को बढ़ावा दे रहे।

## लैब के पोस्टरों में शास्त्रों के नाम व ग्रंथ की व्याख्या भी दर्ज की

इन पोस्टरों में यह बताया गया है कि विज्ञान की विभिन्न शाखा से संबंधित खोज का उल्लेख 2500 साल पहले ही पौराणिक काल के ग्रंथों में संस्कृत भाषा में किया जा चुका है। पोस्टरों के ऊपर में शास्त्रों का नाम, विषय वस्तु, बीच में श्लोक या गद्य संस्कृत में लिखे गए हैं। इसके नीचे ग्रंथ का नाम और सबसे आखिरी में उसकी व्याख्या की गई है। संस्कृत भाषा में ज्योतिष, मेटोलॉजी, औषधि विज्ञान, कृषि, गणित, वनस्पति शास्त्र, आयुर्वेद, विमान शास्त्र, प्लास्टिक सर्जरी, पांडुलिपि, पॉम लीव्स, शल्य चिकित्सा, चरक साहित्य, कॉस्मेटिक, म्युजिक, योगा से लेकर आयुर्वेद और साइंस के हर अन्वेषण का उल्लेख है, जो शास्त्रों में लिखे गए हैं। इसके अलावा अन्य जानकारी भी दी है।

## सॉफ्टवेयर को लाने का प्रयास म्यूजिक सिस्टम, प्रोजेक्टर लगेंगे

प्रोफेसर देशपांडे ने बताया कि संस्कृत सारी भाषाओं में प्रमुख भाषा है। इसके लिए अलग से लैंग्वेज लैब बनाने की तैयारी की जा रही है। लैब में संस्कृत भाषा पर रिसर्च और उसके प्रचार पर काम किया जाएगा। बाकायदा यहां साफ्टवेयर को लाने का प्रयास किया जा रहा है इससे कई भाषाओं के डॉक्यूमेंट को संस्कृत में कनवर्ट कर संरक्षित किया जाएगा। साथ ही म्यूजिक सिस्टम और प्रोजेक्टर रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि संस्कृत हमारी प्राचीन भाषा है हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ें और इसका प्रचार-प्रसार हो सके।

## 38 स्टूडेंट्स पढ़ रहे, यहां पढ़ाई से लेकर बातचीत भी संस्कृत में

प्रोफेसर दिव्या देशपांडे यहां की प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 38 स्टूडेंट संस्कृत की पढ़ाई कर रहे हैं। यहां पढ़ाई से लेकर बातचीत भी संस्कृत में की जाती है। इसके साथ ही क्लास में सभी बच्चों को मोबाइल ऐप शब्द कल्पद्रुम, शब्द रूपमाला, धातु रुपावली, संस्कृत प्राइमर, रामरक्षा, डिक्शनरी लोड कराई गई है। इसके साथ ही छात्रों को पाठ्यक्रम के अलावा नई टेक्नालॉजी के साथ पुष्पेरभति, संस्कृत वार्ता जैसी शॉर्ट फिल्म भी यू-ट्यूब पर दिखाई जाती है। इसके पीछे प्रयास यही है कि इस भाषा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा सके।